चीन द्वारा ‘थाड’ का विरोध

प्रीलिम्स के लिये:

टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस

मेन्स के लिये:

चीन द्वारा ‘थाड’ का विरोध

चर्चा में क्यों?

हाल ही में चीन ने दक्षिण कोरिया में अमेरिका की ‘थाड’ (Thaad) मिसाइल रक्षा प्रणाली की मौजूदगी को लेकर पुनः आपत्ति दर्ज कराई है।

प्रमुख बिंदु:

- उल्लेखनीय है कि दक्षिण कोरिया में स्थित अमेरिकी बेस में इस मिसाइल रक्षा प्रणाली के नए संस्करण की तैनाती किये जाने की सूचना के बाद चीन ने यह आपत्ति दर्ज दर्ज कराई है।
- **चीन का पक्ष:**
  - चीन ने एक बयान जारी कर अमेरिका से आग्रह किया है कि वह चीन और दक्षिण कोरिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों को नुकसान न पहुँचाए।
- **दक्षिण कोरिया का पक्ष:**
  - दक्षिण कोरिया ने भी एक बयान जारी कर कहा है कि मिसाइलों की संख्या में वृद्धि नहीं की गई है। केवल उन्हें नए संस्करणों के साथ प्रतिस्थापित किया गया है।

पृष्ठभूमि:

- ध्यातव्य है कि दक्षिण कोरिया में तैनात अमेरिकी सेना द्वारा ‘थाड मिसाइल रक्षा प्रणाली’ को संचालित किया जाता है।
- उत्तर कोरिया द्वारा बैलिस्टिक मिसाइलों के परीक्षण के मद्देनज़र अमेरिका ने संभावित हमलों के खिलाफ एक जवाबी कार्रवाई के लिये दक्षिण कोरिया में ‘थाड मिसाइल रक्षा प्रणाली’ की तैनाती की थी।
- वर्ष 2017 में उत्तर कोरिया द्वारा जापान में स्थित अमेरिकी ठिकानों की दिशा में कुछ मिसाइलों का परीक्षण किये जाने के पश्चात् कोरियाई प्रायद्वीप में इस घटनाक्रम को लेकर चर्चा बढ़ गई थी।
- इस घटना के बाद अमेरिका ने अपनी योजनाओं में संशोधन कर दक्षिण कोरिया के ओसान में अपने सेना बेस को स्थानांतरित कर दिया था।
- तब से चीन अमेरिका की इस तरह की गतिविधियों को लेकर अपनी चिंता व्यक्त कर रहा है।

चीन द्वारा थाड के विरोध के कारण:

- द वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार, ‘थाड मिसाइल रक्षा प्रणाली’ में उन्नत रडार सिस्टम है जो चीन की सैन्य गतिविधियों पर नज़र रखने में सक्षम है।
- अमेरिका ‘जापान और दक्षिण कोरिया’ में अपने कई सैन्य ठिकानों के माध्यम से पूर्वी एशिया क्षेत्र में मौजूद है जिसको लेकर चीन चिंतित है।
- पूर्वी एशिया के कुछ पर्यवेक्षकों के अनुसार, चीन का मानना है कि अमेरिका ‘दक्षिण कोरिया और जापान’ पर अपना प्रभाव कायम कर रहा है और पूर्वी एशिया में चीन के दीर्घकालिक सैन्य, राजनयिक और आर्थिक हितों पर हस्तक्षेप कर सकता है।

पूर्व में थाड को लेकर चीन की प्रतिक्रिया:

- वर्ष 2017 में चीन ने ‘थाड’ के मद्देनज़र दक्षिण कोरिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया था। दक्षिण कोरियाई व्यवसायों और एलजी, लोटे और सैमसंग जैसी बड़ी कंपनियों के विविध कार्यों में चीन द्वारा बाधा उत्पन्न की गई थी।
- कई चीनी पर्यटक कोरियाई मनोरंजन के प्रशंसक हैं और दक्षिण कोरिया की यात्रा करते हैं। इस घटनाक्रम के मद्देनज़र दक्षिण कोरिया के

परयटन क्षेत्र में भारी गरिावट आई थी।

- दक्षणि कोरयिाई सौंदर्य उत्पाद की मांग चीन में अत्यधकि है। सोशल मीडयिा पर दक्षणि कोरयिाई उत्पादों के बहषि्कार के आह्वान के कारण उनकी बकि्री पर भी असर देखा गया था।

थाड (THAAD)

- थाड का पूरा नाम 'टर्मनिल हाई एल्टीट्यूड एरयिा डफिेंस' (Terminal High Altitude Area Defence) है, जसि वशि्व की सर्वश्रेष्ठ मसिाइल रक्षा प्रणालयिों में गनिा जाता है।
- थाड अंतरक्षि-आधारति और जमीन-आधारति नगिरानी स्टेशन से जुड़ा होता है। यह स्टेशन अपनी तरफ आने वाली मसिाइलों के बारे में 'थाड इंटरसेप्टर मसिाइल' (Thaad Interceptor Missile) को डेटा ट्रांसफर कर खतरे के प्रकार के बारे में सूचति करता है।
- यह 200 कलिोमीटर दूर तक और 150 कलिोमीटर की ऊँचाई तक मार करने में सक्षम है।
- इसकी टेक्नोलॉजी 'हटि टू कलि' है अर्थात् सामने से आ रहे हथयिार को रोकती नहीं बल्कि नषि्ट कर देती है।

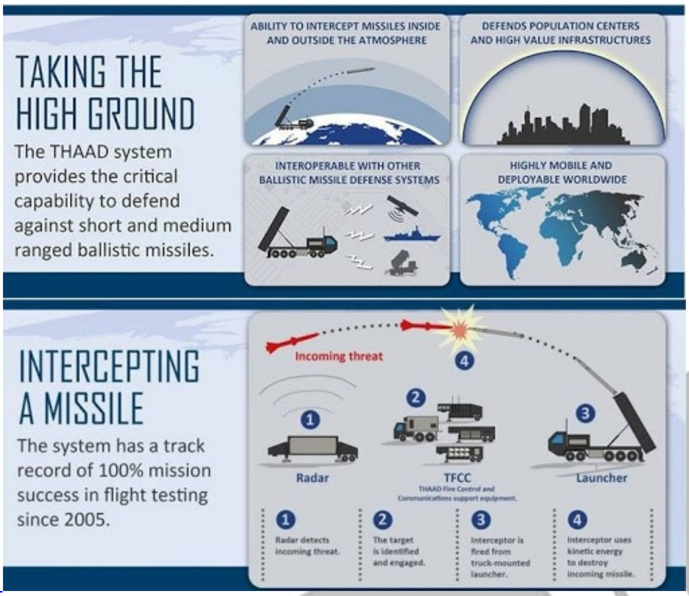

//

स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/china-is-opposing-thaad-defence-systems-in-south-korea